राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | विक्रम संवत - 2082, पौष, कृष्ण पक्ष | ई बुलेटिन मासिक: दिसंबर - 2025

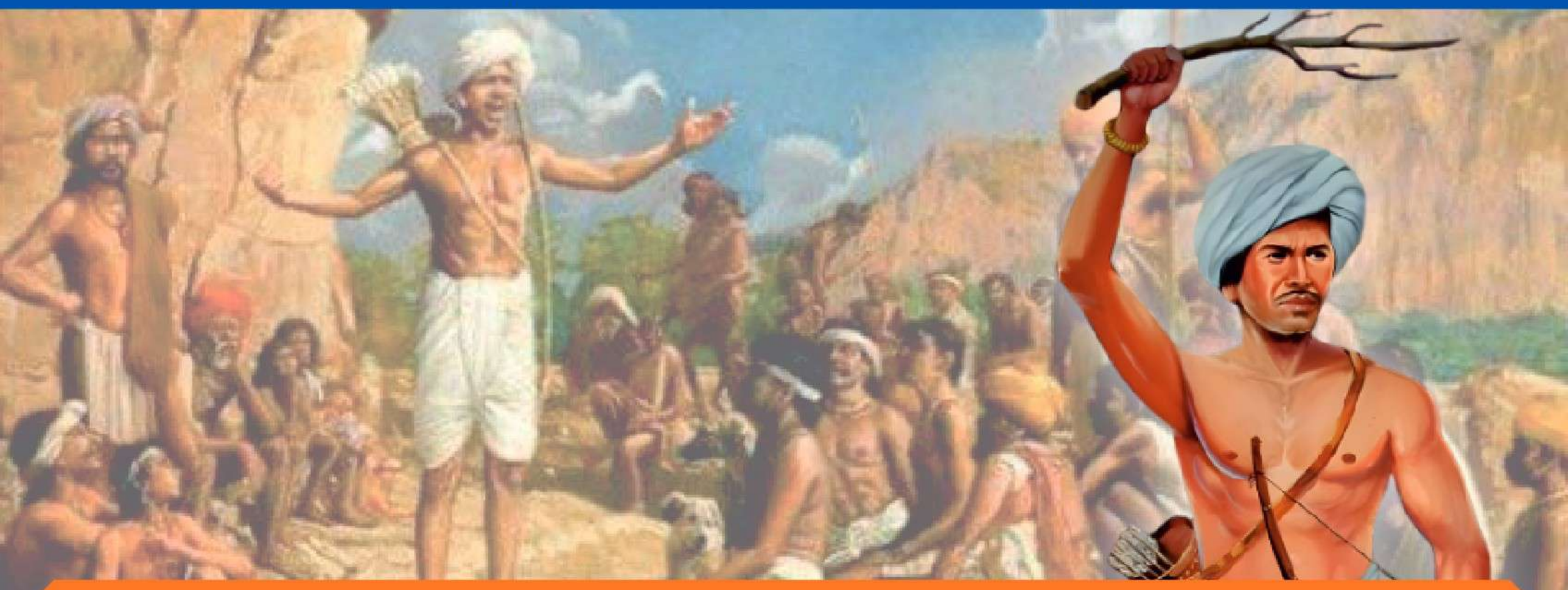

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा: धर्म के रक्षक और स्वाभिमान के प्रतीक

भगवान बिरसा मुंडा जीवन केवल एक व्यक्ति की कथा नहीं, बल्कि उस समाज की सामूहिक जिजीविषा है जिसने सदियों के अन्याय के बीच भी अपने आत्मगौरव को जीवित रखा। 150 साल की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि महान व्यक्ति अपनी आयु से नहीं, अपने प्रभाव से मापे जाते हैं।

जन्म और प्रारंभिक जीवन

झारखंड के उलीहातु में जन्मे बिरसा मुंडा साधारण परिवार से थे, पर असाधारण प्रतिभा के धनी थे। मिशनरी स्कूल में अध्ययन के दौरान उन्होंने विदेशी शासन द्वारा जनजातीय संस्कृति के क्षरण को देखा और अपनी पहचान व संस्कृति की रक्षा का दृढ़ संकल्प लिया।

जनजातीय समाज के जीवन में परिवर्तन

बिरसा मुंडा ने विद्रोह के साथ समाज सुधार का मार्ग दिखाया - नशामुक्ति, स्वच्छता, स्त्री-सम्मान, बालिका शिक्षा और श्रम-सम्मान के माध्यम से आत्मनिर्भर, अनुशासित और एकजुट जनजातीय समाज का उन्होंने स्वप्न गढ़ा।

उलगुलान (महान विद्रोह) का अमर संदेश

ब्रिटिश शासन द्वारा जल–जंगल–जमीन छीनने के प्रयासों के विरुद्ध बिरसा मुंडा ने उलगुलान का नेतृत्व किया। उन्होंने जनजातियों को संगठित कर शोषक शासन और जमींदारी अत्याचारों के खिलाफ निर्णायक आंदोलन खड़ा किया। इस विद्रोह के प्रभाव से अंग्रेज़ों को भूमि-अधिकार संरक्षण कानून बनाना पड़ा - जो बिरसा मुंडा की अमर विजय बनी।

150 वर्षों की प्रेरणायात्रा

जनजातीय अधिकार आंदोलन, वन भूमि संरक्षण, सामाजिक जागरण, शिक्षा, स्वच्छता, प्रकृति पूजन, स्वाभिमान की चेतना - इन सभी में बिरसा मुंडा का विचार किसी अधिष्ठान की तरह खड़ा है। आज भी जब कोई वनवासी बालक शिक्षा पाता है, कोई बहन स्वावलंबन से आगे बढ़ती है, कोई युवा अपनी संस्कृति पर गर्व करता है, या कोई समाज अपनी भूमि के अधिकार के लिए खड़ा होता है - वहाँ बिरसा मुंडा की परछाई दिखाई देती है।

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 44121 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

राष्ट्रीय सेवा भारती के दो प्रभावी प्रशिक्षण वर्ग

स्वर्गीय सूर्यनारायणराव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना - अनुभूति वर्ग (द्वितीय समूह)

स्थान: वात्सल्य सिंधु, भाग्यनगर (तेलंगाना)

तिथि: 6–9 नवम्बर 2025

चार दिवसीय इस अनुभूति वर्ग में 25 विकास यात्रियों (6 महिला, 19 पुरुष) ने भाग लिया। उद्देश्य स्पष्ट था - सेवा को केवल गतिविधि नहीं, बल्कि मन–बुद्धि–कर्म का समन्वित साधन बनाना।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राष्ट्रीय सेवा भारती के वरिष्ठ पदाधिकारियों - पराग अभ्यंकर जी, सुनील सप्रे जी, सुधीर कुमार जी, विजय पुराणिक जी, रामेंद्र सिंह जी, विकास नामजोशी जी तथा क्षेत्रीय नेतृत्व - ने विकास यात्रियों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया।

वर्ग के प्रमुख आयाम -

- सेवा कार्य के दर्शन और उद्देश्य
- प्रकल्प विस्तार एवं बस्ती अध्ययन
- जनसंपर्क और समाज-संवाद
- कार्यकर्ता के जीवन में तप, अनुशासन और संवेदनशीलता

यह वर्ग विकास यात्रियों के लिए केवल प्रशिक्षण नहीं रहा, बल्कि अपने भीतर एक नव-दृष्टि और सेवा के प्रति विशुद्ध समर्पण का जागरण था।

प्रान्त महिला पदाधिकारी प्रशिक्षण वर्ग

स्थान: इटारसी, मध्यभारत

तिथि: 15–16 नवम्बर 2025

देश के 31 प्रान्तों से 130 कार्यकर्ताओं की सहभागिता ने इस वर्ग को विशेष बनाया। वर्ग का उद्घाटन नर्मदापुरम की कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा के मार्गदर्शन में हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख श्री राजकुमार मटाले जी, राष्ट्रीय सेवा भारती की उपाध्यक्ष श्रीमती अमिता जैन जी, संगठन मंत्री श्री सुधीर कुमार जी, महामंत्री श्रीमती रेनू पाठक जी एवं संयुक्त महामंत्री श्री विजय पुराणिक जी - ने विभिन्न विषयों पर दिशा प्रदान की।

वर्ग का केंद्र बिंदु रहा 'पंच परिवर्तन' - कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व–बोध और नागरिक कर्तव्य।

वर्ग में नेतृत्व विकास, संगठनात्मक कौशल, जनसंपर्क और सेवा प्रकल्पों की प्रभावी प्रस्तुति पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

देशभर में हुए सेवा कार्य

प्रान्त: अवध

लखीमपुर खीरी में सेवा भारती, अवध प्रांत द्वारा सूर्य नारायण राव नि:शुल्क छात्रावास का लोकार्पण श्रद्धा और अनुशासन के वातावरण में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सेवा भारती के प्रांत नेतृत्व की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

छात्रावास की मुख्य विशेषताएँ

- आर्थिक रूप से कमजोर पर मेधावी छात्रों हेतु पूर्णतः निःशुल्क सुविधा
- आवास, भोजन, अध्ययन सामग्री एवं संस्कारित वातावरण
- ग्राम स्तर से चयन—लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के माध्यम से
- व्यक्तित्व, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना हेतु नियमित प्रशिक्षण

यह छात्रावास केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि चरित्र और राष्ट्रभाव का शिक्षण केंद्र है।

प्रान्त: जोधपुर

प्रान्त: छत्तीसगढ

सेवा भारती मुंगेली ने जिला अस्पताल में नि:शुल्क गर्म पानी सेवा शुरू की, जिसमें **10 केतलियाँ** लगाई गईं। इससे ठंड के दिनों में मरीजों और परिजनों को तुरंत गर्म पानी उपलब्ध होगा। सेवा का शुभारंभ प्रांत सेवा प्रमुख श्री तुलसीदास जी ने किया और इसे अत्यंत उपयोगी जनसेवा बताया। इसी अवसर पर श्री माधव वाचनालय का भी उद्घाटन किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में अध्ययन, जागरूकता और संस्कारित वातावरण को बढ़ावा देना है।

प्रान्त: दक्षिण तमिलनाडु

सेवा भारती, कन्याकुमारी पश्चिम जिले के तत्वावधान में महाविद्यालयीन छात्राओं हेतु एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल **192 छात्राओं** ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सेवा भारती बीकानेर ने वाल्मीकि बस्ती, मंजू कॉलोनी में निःशुल्क साप्ताहिक आयुर्वेद चल चिकित्सा केंद्र का शुभारंभ किया। अब प्रत्येक **रविवार सायं 5 से 6 बजे** वैद्य गौरीशंकर शर्मा नि:शुल्क परामर्श देंगे।

देशभर में हुए सेवा कार्य

प्रान्त: चित्तौड़

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती पर सेवा भारती चिकित्सालय, उदयपुर ने NMO (नेशनल मेडिकोज़ ऑर्गेनाइजेशन) के सहयोग से उदयपुर महानगर की 11 बस्तियों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए। एकलव्य कॉलोनी, रेलवे स्टेशन क्षेत्र, आवरी माता, मादड़ी, मनोहरपुर, कालका माता, सेक्टर-11 अखाड़ा, लाल मगरी, मठ, कृष्णापुर और देवडूंगरी - इन सभी स्थानों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों और 65 सेवा भारती कार्यकर्ताओं ने सेवाभाव से कार्य किया। इस **अभियान में 798 लाभार्थियों** का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ और आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं।

प्रान्त: जयपुर

सेवा भारती भरतपुर द्वारा आयोजित फिजियोथैरेपी शिविर में नर्वो-स्कोप से रीढ़ और दबी नसों की जांच की गई। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. बी.एन. शर्मा ने स्पष्ट किया कि सही जीवनशैली व नियमित व्यायाम से 90% स्पाइन रोग बिना सर्जरी ठीक हो सकते हैं।

प्रान्त: हरियाणा

सेवा भारती हरियाणा द्वारा गोमय से निर्मित कलाकृतियाँ स्वदेशी नवाचार, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संगम हैं। यह न मिट्टी, न प्लास्टिक - पूरी तरह प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल कला है। बस्तियों की बहनों को दिया गया प्रशिक्षण उन्हें रोजगार, सम्मान और कौशल - तीनों प्रदान करता है।

प्रान्त: हिमाचल

सेवा भारती शिमला ने निर्धन रोगियों के लिए निःशुल्क ऑक्सीजन मशीन सेवा शुरू की है। बसंतपुर के एक अत्यंत गरीब परिवार - गंभीर रूप से बीमार **71 वर्षीय लच्छी राम, 75% दिव्यांग पत्नी और बेरोज़गार पुत्र** की स्थिति देखकर संगठन ने बिना किसी शुल्क के तुरंत सहायता प्रदान की और आगे भी सहयोग का संकल्प लिया।

शिविर में स्लिप डिस्क, साइटिका और सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस से पीड़ित **82 रोगियों** का परीक्षण व उपचार हुआ।

देशभर में हुए सेवा कार्य

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

सेवा भारती जम्मू-कश्मीर द्वारा संचालित **चेतना परियोजना** के अंतर्गत विभिन्न गाँवों में बहनों को सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य, सुरक्षा और दैनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में सेवा भारती कार्यालय जम्मू में **दो दिवसीय चेतना वर्ग** आयोजित हुआ। वर्ग में चिकित्सकों और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने महिलाओं को आवश्यक स्वास्थ्य-ज्ञान, आत्मरक्षा और सशक्तिकरण के विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में **अखिल भारतीय छात्रावास प्रमुख श्री जयदेव जी** एवं प्रान्त टोली की उपस्थिति ने पूरे वातावरण को प्रेरणा से भर दिया।

प्रान्त: केरल

सेवा भारती पवित्रेश्वरम् समिति ने कोल्लम जय भारत कराटे क्लब के सहयोग से बालिकाओं के लिए **आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर** आयोजित किया। यह प्रशिक्षण इडावट्टम उदयनकावु शिव मंदिर सभागार में सम्पन्न हुआ, जिसमें **51 बालिकाओं** ने भाग लिया। राज्य एवं जिला स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान भी किया गया।

प्रान्त: जयपुर

सेवा भारती जयपुर महानगर ने यशोदा बाल सेवा केंद्र के नए भवन का शिलान्यास संघ के वरिष्ठ प्रचारक **श्री प्रकाश जी** के करकमलों से किया। प्रमुख उद्यमियों द्वारा भवन के दोनों तलों का निर्माण-संकल्प वहीं घोषित किया गया।

केंद्र का उद्देश्य

श्रमिक परिवारों के ढाई–पाँच वर्ष के बच्चों को सुबह 8 से शाम 7 बजे तक -

- निःशुल्क देखभाल
- शिक्षा–संस्कार
- पौष्टिक आहार
- खेल व गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण प्रदान करना।

प्रान्त: उत्तर असम

जोरहाट जिले के आतिला गाँव में सेवा भारती पूर्वांचल द्वारा आरोग्यमित्र सेवा केंद्र का शुभ उद्घाटन एवं स्वास्थ्य जागरूकता सभा सम्पन्न हुई। स्थानीय ग्रामीणों की उत्साही सहभागिता ने आयोजन को सार्थक बनाया।

देशभर में हुए सेवा कार्य

प्रान्त: उत्तर तमिलनाडु

कुड्डालोर जनपद में स्वास्थ्य पहुँच को सशक्त करने की दिशा में सेवा भारती तमिलनाडु ने विनायक मिशन अरुपड़ाई वीदू मेडिकल कॉलेज (AVMC) के सहयोग से **निःशुल्क मोबाइल मेडिकल यूनिट** का शुभारंभ किया। यह चिकित्सा वाहन केनरा बैंक द्वारा CSR अंतर्गत प्रदान किया गया है। यह मोबाइल इकाई कुड्डालोर की तटीय व दूरस्थ बस्तियों में **निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, जागरूकता कार्यक्रम और प्राथमिक निदान सेवाएँ प्रदान करेगी**।

सेवा भारती रांची महानगर द्वारा कुजारा भवन, कडरू मोड़ में **सिलाई प्रमाण पत्र वितरण** कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तीन स्वावलंबन केंद्रों की **45 बहनों** को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में यह स्पष्ट हुआ कि सेवा भारती केवल कौशल नहीं देती - **संस्कार, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता** की दिशा भी दिखाती है। अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत और न्यासी पूनम आनंद ने कहा कि स्वावलंबी महिला ही परिवार और समाज की वास्तविक शक्ति है। सेवा भारती रांची द्वारा हर वर्ष **300 महिलाओं** को सिलाई प्रशिक्षण दिया जाता है, जिनमें से **लगभग 225 महिलाएँ स्वरोजगार** से जुड़ चुकी हैं।

प्रान्त: मालवा

उज्जैन में आयोजित **69वीं खेलो इंडिया अस्मिता किक बॉक्सिंग लीग 2025-26** में सेवा भारती बालिका छात्रावास उज्जैन की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर **10 पदक** जीतकर संस्था का गौरव बढ़ाया। **24 प्रतिभागी बहनों** में से कई ने विविध स्पर्धाओं - किक बॉक्सिंग, चुडुकल और स्टिक फाइटिंग - में अपना श्रेष्ठ कौशल दिखाया।

पदक उपलब्धियाँ:

- **स्वर्ण – 1:** मुस्कान मंसौरे (कक्षा 7, किक बॉक्सिंग)
- **रजत – 5:** माही परमार, पूर्णिका कनेल, खुशी डाबिया, यशोदा मौर्य, जागृति देवड़ा
- **कांस्य – 4:** खुशबू मालवीय, संजना बछानिया, हर्षिता नरवरिया, दिव्यांशी मालवीय

इन सफलताओं के पीछे प्रशिक्षिका सुश्री ऋषिका रायकवार का मार्गदर्शन, डॉ. अविनाश बुंदीवाल का सहयोग और छात्रावास परिवार का सतत प्रोत्साहन रहा।

प्रान्त: झारखंड

स्वस्थ समाज की ओर सशक्त कदम: सुपोषण जागरूकता अभियान

पिछले तीन वर्षों से निरंतर संचालित "**सुपोषण जागरूकता अभियान**" समाज को कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल बनकर उभरा है। इस अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष के बच्चों, 6 से 16 वर्ष की किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं का सर्वेक्षण कर उन्हें कुपोषण के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा संतुलित पोषण और स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर किया जा रहा है।

तेलंगाना प्रांत की सेवा बस्तियों में यह अभियान विशेष रूप से किशोरियों के लिए आशा की किरण साबित हुआ है। इसकी सफलता अनेक प्रेरणादायक स्वास्थ्य यात्राओं में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

जी. भाग्यश्री की कहानी इसका सशक्त उदाहरण है। वर्ष 2024 में, 10वीं कक्षा में अध्ययनरत रहते हुए उनका हीमोग्लोबिन स्तर मात्र 6.5 था। सुपोषण जागरूकता कार्यक्रम के मार्गदर्शन, पोषण शिक्षा और निरंतर देखभाल से वर्ष 2025 में, इंटर प्रथम वर्ष की छात्रा बनने तक उनका हीमोग्लोबिन स्तर बढ़कर 12.5 हो गया, जो उल्लेखनीय प्रगति है।

इसी प्रकार **आर. सहिति** ने भी इस कार्यक्रम से लाभ प्राप्त किया। वर्ष 2024 में 8वीं कक्षा के दौरान उनका हीमोग्लोबिन स्तर 8.5 था। पौष्टिक आहार और आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल के परिणामस्वरूप 2025 में, 9वीं कक्षा में अध्ययन करते हुए उनका हीमोग्लोबिन स्तर 11.5 तक पहुँच गया।

चिन्ना चेरलापल्ली की प्रतिभावान छात्रा **सना रानी** की उपलब्धि भी अत्यंत प्रेरणादायक है। वर्ष 2024 में 7वीं कक्षा के समय उनका हीमोग्लोबिन स्तर 8.1 था। सुपोषण कार्यक्रम के अंतर्गत पोषणयुक्त आहार, सप्लीमेंट्स और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से 2025 में उनका हीमोग्लोबिन स्तर बढ़कर 13.6 हो गया।

इन सफलताओं ने सिद्ध किया है कि **सुपोषण जागरूकता अभियान** वास्तव में स्वस्थ, सशक्त और उज्ज्वल भविष्य की नींव रख रहा है।

प्रान्त: जयपुर

प्रान्त: मालवा

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत **जयपुर, मालवा** और **जम्मू-कश्मीर** के वैभवश्री स्वयं सहायता समूहों ने **दिल्ली प्रगति मैदान** में आयोजित **44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले** में अपने प्रकल्पों के स्टॉल लगाए। यहाँ स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन हुआ, जिसे आगंतुकों ने विशेष सराहना दी।

प्रान्त: कोंकण

मुंबई में आयोजित एक दिवसीय दीपावली बाल संस्कार शिविर उत्साह और संस्कारों से परिपूर्ण रहा। शिविर में 123 बालक-बालिकाएँ तथा 45 कार्यकर्ता सहभागी हुए।

प्रान्त: मध्यभारत

गोमय का उपयोग केवल धार्मिक कार्यों तक सीमित नहीं। सेवा भारती का 'गोबर शिल्प स्वयं सहायता समूह' इससे उपयोगी, पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तैयार कर रहा है।

प्रान्त: दिल्ली

जी.बी. रोड स्थित सेवा भारती द्वारा संचालित उत्कर्ष केंद्र पर नेत्र जांच शिविर में 400 से अधिक लोगों की आंखों की जांच तथा नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं।

प्रान्त: दक्षिण बिहार

अखिल भारतीय महिला मारवाड़ी संघ ने गयाजी सेवा भारती द्वारा संचालित दशरथ मांझी छात्रावास के के सभी बच्चों को ठंड हेतु ट्रैकसूट व सामान्य ज्ञान पुस्तकें भेंट कीं।

प्रान्त: जोधपुर

सेवा भारती समिति सूरतगढ़ द्वारा सूरतगढ़ की भाट बस्ती में शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु एक नई लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया।

प्रान्त: उत्तराखंड

संघ के गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत उत्तराखंड प्रांत में कार्यक्रम आयोजित किए गए, और अभियान के लिए सेवा भारती के सिलाई केंद्रों व स्वसहायता समूहों की बहनों द्वारा थैले तैयार किए गए।

राष्ट्रीय सेवा भारती के सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

राष्ट्रीय सेवा भारती

वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005